

धोरण : 9

हिन्दी

पाठ : 22

वीरों का कैसा हो वसंत

स्वाध्याय



प्रश्न 1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

(1) बार-बार कौन गरजता है?

➤ बार-बार समुद्र गरजता है।

(2) प्रकृति के तत्त्व क्या पूछ रहे हैं?

➤ प्रकृति के तत्त्व पूछ रहे हैं कि वीरों का वसंत कैसा होना चाहिए।

(3) बधु-वसुधा में क्या परिवर्तन आया?

➤ वसुधारूपी – वधू का अंग-अंग पुलकित हुआ है।

(4) कवयित्री कुरुक्षेत्र से क्या कहते हैं?

➤ कवि कुरुक्षेत्र से कहते हैं कि तुम जागकर देशवासियों को अपने अनन्त अनुभवों के बारे में बताओ।

(5) कवयित्री की कलम की क्या विशेषता है?

➤ कवि की कलम की यह विशेषता है कि वीरों का वसन्त कैसा हो, यह कुछ खुलकर लिखने की उसे अनुमति नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) वीरों का कैसा है वसंत? ऐसा कौन-कौन पूछ रहे है ?

➤ 'वीरों का कैसा हो वसंत?' ऐसा हिमालय पर्वत, सागर, पूर्व-पश्चिम दिशाएँ, पृथ्वी और आकाश तथा क्षितिज भी यही प्रश्न पूछ रहे हैं।

(2) 'कह दे अतीत अब मौन त्याग' ऐसा कवयित्रीने क्यों कहा है ?

➤ देश के इतिहास में वीरता और पराक्रम दिखानेवाले अनेक शूरवीर हो गए हैं। इनसे हम अपनी स्वाधीनता और गौरव की रक्षा के लिए बलिदान देने का पाठ सीखते हैं। इसलिए कवयित्री ने 'कह दे अतीत अब मौन त्याग' ऐसा कहा है।

(3) किन ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर कवयित्रीने 'वीरों का वसंत कैसा हो' यह बताया है ?

➤ हनुमान द्वारा लंका को जलाना, कुरुक्षेत्र में महाभारत युद्ध, हल्दी-घाटी में राणा प्रताप तथा सम्राट अकबर का युद्ध, तानाजी द्वारा सिंहगढ़-विजय ये हमारे इतिहास की बहुत प्रेरक घटनाएँ हैं। इन्हीं के आधार पर कवयित्री ने 'वीरों का वसन्त कैसा हो' यह बताया है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

(1) “वीरों का कैसा है वसंत”- इस पंक्ति को अपने शब्दों में कविता के आधार पर समझाइए।

➤ वसन्त ऋतु चारों तरफ बिखरे अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण सबसे सुन्दर ऋतु मानी जाती है। सुन्दर, सुगंधित और रंग-रंग के फूल, भौरों का गुंजन, रंग-बिरंगी उड़ती तितलियाँ और सुहावनी हवा इस ऋतु की

विशेषताएँ हैं। परंतु यह वीरों का वसन्त नहीं है। वीरों का वसन्त वह है, जिसमें स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष होता है। वीरों का वसन्त वह है, जिसमें अन्याय और अधर्म का नाश करने के लिए शूरवीर हँसते-हँसते अपना बलिदान देते हैं।

(2) हल्दी-घाटी और सिंह-गढ़ से कवि का क्या तात्पर्य है?

- **मुगल सम्राट अकबर अनेक राजपूत राजाओं को अपने अधीन करना चाहता था, परन्तु सफल नहीं हुआ। महाराणा प्रताप अपनी स्वाधीनता गँवाने के लिए तैयार नहीं हुए। अंत में हल्दी-घाटी के मैदान में अकबर और राणा प्रताप की सेनाओं में भयंकर युद्ध हुआ। इसी प्रकार सिंहगढ़ भी मुसलमान शासक के अधीन था। उस पर अधिकार करने के लिए शिवाजी महाराज के वीर सरदार तानाजी ने उस पर आक्रमण किया।**

- कड़ी टक्कर के बाद सिंहगढ़ हाथ में आ गया, पर अद्भुत वीरता दिखाते हुए तानाजी मालसुरे शहीद हो गए।
- कवयित्री कहना चाहती है कि हल्दी-घाटी और सिंहगढ़ के संघर्ष बताते हैं कि वीरों का वसन्त कैसा होना चाहिए।

(3) “है कलम बँधी स्वच्छन्द नहीं”- ससंदर्भ समजाइए।

➤ वीरों का कैसा हो वसन्त?' यह कविता तब लिखी गई थी जब देश पर अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेजी सत्ता ने देश में दमनचक्र चला रखा था। उस समय अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध लिखना अपराध माना जाता था। ऐसा लिखनेवालों को कड़ी सजा दी जाती थी। उनकी रचनाएँ जप्त कर ली जाती थीं। उसी संदर्भ में कवयित्री लिखती हैं कि मेरे लिखने पर पाबंदी है। मैं चाहूँ तो भी कुछ खुलकर लिख नहीं सकती।

Thanks



For watching